2024 IV 02 **0930** **Seat No.** | | | | | |

Time : 3 Hours **HINDI (S.L.)**

Subject Code

S	1	1	2	1

Total No. of Questions : 53 **(Printed Pages : 8)** **Maximum Marks : 80**

सूचनाएँ : (*i*) प्रश्न क्रमांक स्पष्ट रूप से लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*iii*) दायीं ओर दर्शाए हुए अंक प्रश्न के लिए निर्धारित अंक हैं।

निम्नलिखित गद्यखंड के आधार पर उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में लिखिए :

प्रतिवर्ष जल-पर्यटन और जल-क्रीड़ा के समय होने वाली दुर्घटनाएँ बढ़ती जा रही हैं। यदि गोवा में आने वाला पर्यटक-युवावर्ग नियमों का पालन करें, संयम में रहें तथा सामूहिक मानसिकता से बचकर रहें तो इन दु:खद घटनाओं से बचा जा सकता है। पर्यटन मंत्रालय ने जो नियम और मर्यादाएँ निश्चित की हैं उनका पालन करना सभी के लिए आवश्यक है।

प्रश्न :

1. उपर्युक्त गद्यखंड जिस पाठ से लिया गया है उस पाठ के नाम का सही विकल्प चुनकर लिखिए : 1

- डॉ. रघुनाथ माशेलकर
- गोवा का जलपर्यटन और सुरक्षा
- ईमानदार लड़का
- भोलाराम का जीव

2. दु:खद घटनाओं से कैसे बचा जा सकता है ? 1

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **पंद्रह/बीस** शब्दों में लिखिए : 6

3. भोलाराम के जीव ने नारद के साथ जाने से इंकार क्यों कर दिया ?

4. देश-विदेश से पर्यटक बड़ी संख्या में गोवा कब आते हैं ?

5. योगेन्द्र सिंह यादव स्कूल में पढ़ते समय क्या कहा करते थे ?

6. डॉ. माशेलकरजी ने अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर किस लड़ाई में जीत हासिल की ?

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **चालीस/पचास** शब्दों में लिखिए : 12

7. 'भोलाराम का जीव' पाठ में लेखक ने सरकारी कार्यालयों की किन बुराइयों पर व्यंग्य किया है ?

8. बसंत नोट भुनाकर वापस क्यों नहीं लौट पाया ?

9. बाबू हरिदास के ईंटों के पजावे में मजदूर किस प्रकार काम करते थे ?

10. एवरेस्ट विजय के बाद अरुणिमा सिन्हा ने किस-किस का शुक्रिया अदा किया ?

निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों के आधार पर उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में लिखिए :

रनिया मेरी दुखी बहन है,

वह निदाघ में मुरझा रही है,

मैं रनिया का सुखी बन्धु हूँ,

चिर वसंत में विहँस रहा हूँ।

प्रश्न :

11. प्रस्तुत काव्य-पंक्तियाँ जिस कविता से ली गयी हैं, उस कविता के कवि के नाम का सही विकल्प चुनकर लिखिए : 1

- नागार्जुन
- कीर्ति चौधरी
- केदारनाथ अग्रवाल
- शिवमंगल सिंह 'सुमन'

12. रनिया का सुखी बंधु कहाँ विहँस रहा है ? 1

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **दस/बारह** शब्दों में लिखिए : 4

13. आजादी खतरे में पड़ी देखकर सैनिक कब तक लड़ते रहे ?

14. कबीर के अनुसार साधु का स्वभाव कैसा होना चाहिए ?

15. हमें रात के दैत्यों से डरने की जरूरत क्यों नहीं है ?

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **पच्चीस/तीस** शब्दों में लिखिए : 6

16. कवि तुलसीदासजी के अनुसार श्री रामजी के आने का समाचार सुनकर माँ कौशल्याजी की क्या स्थिति हुई ?

17. 'बहुत दिनों के बाद' इस कविता में देहात के प्राकृतिक सौंदर्य की अनुभूति कैसे की है ?

18. 'हमें न बाँधो प्राचीरों में' कविता में पंछी के अरमानों के विषय में क्या कहा गया है ?

निम्नलिखित क्रियाओं में से किन्हीं **दो** क्रियाओं का सार्थक सहायक क्रिया के रूप में प्रयोग कीजिए : 2

19. लगना

20. होना

21. चाहना

कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तन कीजिए : 2

22. राजन पाठशाला जाएगा। (आज्ञावाचक वाक्य)

23. गाँव में नल को पानी आ गया। (विस्मयवाचक वाक्य)

24. 'उलझन' इस शब्द का पर्यायवाची शब्द चुनिए : 1

- समस्या
- संस्था
- सभ्यता
- समझौता

25. 'स्त्रोत' इस शब्द का पर्यायवाची शब्द चुनिए : 1

- स्तोत्र
- श्रोता
- प्रारंभ
- प्रारब्ध

26. 'कल्पना' इस शब्द का विशेषण रूप चुनिए : 1

- काल्पनिक
- काल्पनीक
- कल्पनीक
- कल्पानिक

27. 'पीड़ा' इस शब्द का विशेषण रूप चुनिए। 1

- पीड़ित
- पिड़ीत
- पंडित
- पांडित्य

28. 'संभव' इस शब्द का विलोम शब्द चुनिए : 1

- असंभव
- असंभवी
- नसंभव
- संभवत:

29. 'मानवता' इस शब्द का विलोम शब्द चुनिए : 1

- दानवता
- दिनता
- दैन्य
- दैत्य

निम्नलिखित शब्दों में से किसी **एक** शब्द का प्रसंगानुसार भिन्न-भिन्न अर्थ स्पष्ट करने के लिए अलग-अलग वाक्यों में प्रयोग कीजिए : 2

30. उत्तर

31. अंक

निम्नलिखित मुहावरों में से किन्हीं **दो** मुहावरों का अर्थ लिखकर उन मुहावरों का सार्थक तथा स्वतंत्र वाक्य में प्रयोग कीजिए : 4

32. छान डालना

33. अलंकृत करना

34. आँखें मिलाना

35. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर **100-150** शब्दों में निबंध लिखिए : 6

- परिश्रम का महत्व
- सच्ची मित्रता
- वृक्ष–हमारे साथी
- जहाँ चाह–वहाँ राह

36. निम्नलिखित सूचनाओं के अनुसार किसी **एक** पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए : 5

जीतेश/जया भंडारी, आराडी बाँध, कालापुर, पणजी गोवा से अपने छोटे भाई को बुरी संगत से बचने के लिए पत्र लिखता/लिखती है।

अथवा

राजेश/राजेश्वरी आमोणकर, शांतीनगर, फोंडा–गोवा से अपने इलाके की सड़क की मरम्मत करवाने के लिए नगराध्यक्ष, नगरपालिका फोंडा के नाम पत्र लिखता/लिखती है।

37. निम्नलिखित रूपरेखा के आधार पर कहानी लिखकर उसका उचित शीर्षक तथा सीख भी लिखिए : 5

एक राजा का अपने दुश्मन से युद्ध में हार जाना ..... जान बचाने एक गुफा में छिपना ..... साथ कुछ सैनिक ..... किसी तरह कुछ दिन बिताना ..... एक दिन राजा का गुफा के एक कोने में मकड़ी को जाल बुनते देखना ..... मकड़ी का बार–बार गिरना ..... कोशिश जारी ..... अंत में सफलता ..... राजा की आँखें खुलना ..... नये जोश से सैनिक इकट्ठा करना ..... दुश्मन पर फिर से हमला कर उसे पराजित करना ..... अपना राज्य वापस पाना ..... सीख।

निम्नलिखित गद्यखण्ड को पढ़कर उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

'तमसो मा ज्योतिर्गमय' अर्थात् 'अंधकार से मुझे प्रकाश की ओर ले जाओ' यह प्रार्थना भारतीय संस्कृति का मूल स्तंभ है। प्रकाश में व्यक्ति को सबकुछ दिखाई देता है, अंधकार में नहीं। प्रकाश से यहाँ तात्पर्य ज्ञान से है। ज्ञान से व्यक्ति का अंधकार नष्ट होता है। उसका वर्तमान और भावी जीवन जीने योग्य बनता है। ज्ञान से उसकी सुप्त इंद्रियाँ जागृत होती हैं। उसकी कार्यक्षमता बढ़ती है, जो उसके जीवन को प्रगति पथ पर ले जाती है। शिक्षा का क्षेत्र सीमित न होकर विस्तृत है। व्यक्ति जीवन से लेकर मृत्यु तक शिक्षा का पाठ पढ़ता है। प्राचीन काल में शिक्षा गुरुकुलों में होती थी। छात्र पूर्ण शिक्षा ग्रहण करके ही घर वापस लौटता था। लेकिन आज जगह–जगह सरकारी और गैर–सरकारी विद्यालयों में शिक्षण कार्य होता है। वहाँ पर शिक्षक भिन्न–भिन्न

विषयों की शिक्षा देते हैं। ज्ञान का अर्थ केवल शब्द-ज्ञान नहीं, अपितु अर्थ-ज्ञान है। यदि सम्पूर्ण पढ़े हुए विषय का अर्थ न जाना जाए तो, यह गधे की पीठ पर रखे हुए चंदन के भार की भाँति परिश्रम कारक या निरर्थक होता है। अर्थात् जिस तरह चंदन की लकड़ी को ढोनेवाला गधा केवल भार का ही ज्ञान रखता है, किन्तु चंदन की उपयोगिता को नहीं जान सकता उसी प्रकार जो विद्वान अनेक शास्त्रों का अध्ययन बिना अर्थ समझे करे वह गधों की भाँति ग्रंथभार वाहक मात्र है। विद्या सर्वश्रेष्ठ धन है जो दूसरों को देने पर बढ़ता है। विद्या से विनय, विनय से योग्यता, योग्यता से धन और धर्म, धर्म से सब सुख प्राप्त होते हैं। ज्ञान से बुद्धि तीव्र होती है। जहाँ राजाओं ने लड़ाईयाँ तलवार की नोंक पर जीतीं और साम्राज्य स्थापित किए वहीं चाणक्य ने अपनी बुद्धि से नंद वंश का नाश कर चंद्रगुप्त को राजा बनाया। यहाँ जीत बुद्धि की हुई जिसे धार दी ज्ञान ने। विद्या और सुख एक साथ प्राप्त नहीं हो सकते। सुख चाहने वाले को विद्या और विद्या चाहने वाले को सुख त्याग देना चाहिए। विद्याहीन पशु समान है जिसे कोई पसंद नहीं करता। इसलिए श्रेष्ठ विद्वान से ही उत्तम विद्या प्राप्त करनी चाहिए। भले ही वह किसी भी जाति का हो। शिक्षा व्यक्ति को ज्ञान के प्रकाश से शुभाशुभ, भले-बुरे की पहचान करा के आत्मविश्वास की प्रेरणा देती है। उन्नति का प्रथम सोपान शिक्षा है। उसके अभाव में हम लोकतंत्र और भारतीय संस्कृति की रक्षा नहीं कर सकते।

प्रश्न :

38. 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' का अर्थ क्या है ? 1

39. ज्ञान मनुष्य के जीवन को प्रगति पथ पर कैसे ले जाता है ? 1

40. प्राचीन काल में छात्र कहाँ शिक्षण ग्रहण करते थे ? 1

41. ज्ञान परिश्रम कारक या निरर्थक कब होता है ? 1

42. गधों की भाँति ग्रंथभार के वाहक कौनसे विद्वानों को कहा जा सकता है ? 1

43. विद्या से मनुष्य को कौन-कौनसे सुख प्राप्त होते हैं ? 1

44. सुख या विद्या चाहने वाले को क्या करना चाहिए ? 1

45. हमें श्रेष्ठ विद्वान से ही उत्तम विद्या क्यों प्राप्त करनी चाहिए ? 1

46. शिक्षा के अभाव के कारण हम क्या नहीं कर सकते ? 1

47. उपर्युक्त गद्यखण्ड के लिए उचित शीर्षक दीजिए। 1

निम्नलिखित गद्यखण्ड को पढ़कर उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

साधारणतया लोग रुपये को ही धन मान बैठते हैं, परन्तु धन कई प्रकार के होते हैं। जमीन या मकान की सम्पत्ति भी धन है। आजकल बड़ी-बड़ी मील और कारखाने भी धन हैं। इसी प्रकार पशु भी हमारे धन हैं।

अपने जीवनकाल में पशु हमारे लिए उपयोगी तो होते ही हैं, मरने पर भी इनका चमड़ा, हड्डी और सींग आदि हमारे काम आते हैं। उनके चमड़े से बने हुए जूते आज भी हम पहनते हैं। इनकी वैज्ञानिक प्रगति हो जाने पर भी चमड़े से बढ़कर अच्छी और सस्ती दूसरी कोई चीज नहीं निकल सकी है, जिसके जूते बन सकें। हम देख रहे हैं कि आज हमारे पशुधन का ह्रास हो रहा है। देहातों में दुबले-पतले जानवर देखने को मिलते हैं, जिनके खाने-पीने की व्यवस्था ठीक-ठीक नहीं रहती। न उनके इलाज आदि की ही व्यवस्था होती है। पिछले कुछ वर्षों से सरकार का थोड़ा सा ध्यान इस दिशा में गया है। अब स्थान-स्थान पर पशुओं के लिए अस्पताल खोले जा रहे हैं और उनकी नस्ल सुधारने की दिशा में भी प्रयास हो रहा है।

प्रश्न :

48. साधारणतया लोग 'धन' किसे मानते हैं ? 1

49. धन के प्रकार कितने हैं ? 1

50. मरने पर पशुओं का क्या उपयोग होता है ? 1

51. देहातों के जानवर दुबले-पतले क्यों दिखाई देते हैं ? 1

52. पशुओं की नस्ल सुधारने के लिए सरकार की ओर से कौनसा प्रयास हो रहा है ? 1

53. 'विज्ञान' इस शब्द का भाववाचक संज्ञारूप दूसरे परिच्छेद में से ढूँढ़कर लिखिए। 1